America, Pepsico has the largest aseptic packaging plant for concentrated fruit juice.

Progress of Vijayanagar Steel Plant

984. SHRI SUBRAMANIAN SWAMY: Will the Minister of STEEL AND MINES be pleased to state:

(a) whether the foundation stone of the Vijayanagar Steel Plant was laid by the Late Prime Minister Smt. Indira Gandhi in 1971, and despite an expenditure running into crores of rupees, nothing further has been done; and

(b) if so, the reasons for the same?

THE MINISTER OF STEEL AND MINES (SHRI M. L. FOTEDAR): (a) and (b) Yes, Sir. After the foundation stone was laid, land for the proposed plant has also been acquired and some preparatory work undertaken. However, due to a severe constraint for resources, it has not been possible for any substantive steps to be taken so far for setting up this project.

Production of 'SAGO'

985. SHRI PRAMOD MAHAJAN: Will the Minister of FOOD PROCESSING INDUSTRIES be pleased to state:

(a) whether Government are aware of the dirty and unhygienic way of producing 'Sago'; and

(b) if so, what steps Government propose to take in order to save the people from this dirty and unhygienic product?

THE MINISTER OF STATE OF THE MINISTRY OF FOOD PROCESSING INDUSTRIES (SHRI JAGDISH TYTLER): (a) and (b) Sago from tapioca is being manufactured in the cottage and small sector in the country based on traditional technology. It has always been the Government's policy to encourage the modernisation of the industries which include Sago industry also, to make it more economical with better quality. Research Institutions in India are working for the improvement of the process in the manufacture of Sago.

आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों में वृद्धि

986. **श्री राम जेठमलानी :**
सरदार जगजीत सिंह अरोड़ा :

क्या **खाद्य और नागरिक पूर्ति** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि चालू वित्त वर्ष की शुरूआत से अक्तूबर, 1988 तक खाद्य तेल, गेहूं, चावल, वनस्पति घी और चीनी जैसी आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों में लगातार वृद्धि होती रही है ;

(ख) यदि हां, तो 1 अक्तूबर, 1988 की स्थिति के अनुसार खुले बाजार में इन वस्तुओं के मूल्यों के संबंध में ब्यौरा क्या है ; और

(ग) मूल्यों में इस वृद्धि को रोकने के लिए इस अवधि के दौरान क्या-क्या प्रभावी कदम उठाए गए है तथा उक्त अवधि के दौरान कितनी नयी उचित दर दुकानें खोली गयी है और ऐसी दुकानों द्वारा खुले बाजार मे आवश्यक वस्तुओं के मूल्यों से कम मूल्यों पर कुल कितनी लागत की वस्तुएं बेची गयीं ?

खाद्य और नागरिक पूर्ति मंत्रालय में उप-मंत्री (श्री डी०एल० बैठा) : (क) अक्तूबर, 1988 को समाप्त गत सात महीनों (अप्रैल-अक्तूबर, 1988) के दौरान चुनी वस्तुओं के थोक मूल्यों सूचकांकों में मिश्रित रूख रहा । कुछ वस्तुओं के थोक मूल्य सूचकाकों मे वृद्धि हुई है, कुछक में कमी हुई है और कुछ के स्थिर रहे हैं ।

(ख) एक विवरण दिया गया है, जिसमें अक्तूबर, 1988 के पहले सप्ताह में चुने केंद्रों में चुनी वस्तुओं के खुदरा मूल्य दर्शाये गए हैं । [देखिए परिशिष्ट 148, अनुपत्र सं० 44]

(ग) 30-9-1988 तक प्राप्त सूचनाओं के अनुसार, 1988-89 के दौरान 2697 उचित दर की दुकानें